Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 02-08-2006

Participants : Singh Ch. Lal

>

Title : Regarding Amarnath Yatra.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी इजाजत से पूरे देश के लिए और खासकर जम्मू-कश्मीर के लिए जो एक बहुत ही महत्वपूर्ण मसला है, उस पर बोलना चाहता हूं। आप सभी जानते हैं कि हर धर्म की अपनी-अपनी आस्था होती है और हमारी अमरनाथ यात्रा में पहली बार दुनिया में बहुत बड़ी कोताही और जिसे ब्लन्डर मिस्टेक भी कहा जा सकता है जो श्राइन बोर्ड ने की है और जिसे सबको सुनकर हैरानी होगी कि इंसान ने भगवान भी बना लिया, उन्होंने लिंग बना लिया। जो लिंग भगवान की दया से बर्फ से बनता था, वह लिंग खुद गवर्नर साहब और उनकी कमेटी ने वहां बना लिया और मैं पूरे देश को तथा खासकर इन सभी को कहना चाहता हूं कि वैसे तो पूरी दुनिया के ये बड़े * बनते हैं,...(व्यवधान) लेकिन इन्हें इस बात का होश ही नहीं है कि वहां लिंग बना दिया गया और वहां की यात्रा पर जाने वाले लोगों की संख्या में भी कमी हो गई है।...(व्यवधान)

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : वहां की सरकार तो आपकी ही है।...(व्यवधान)

चौधरी लाल सिंह : आप पहले मेरी बात तो सुन लीजिए। मै कह रहा हं कि यह मेरे लिए और सभी के लिए कितने अफसोस की बात है कि हर धर्म की अपनी आस्था है और कल को कोई कहेगा कि भगवान बनाकर ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप जो पूछना चाहते हैं, वह पूछें।

---

*Expunged as ordered by the Chair.

चौधरी लाल सिंह : सर, आपने जितना समय दिया है, उसके अंदर ही मैं अपनी बात समाप्त कर दूंगा। आप सुन लीजिए। मैं कह रहा हूं कि जो यात्रा सदियों से चल रही थी, उस यात्रा की आस्था को इससे ठेस पहुंची है तथा पूरे श्रद्धालुओं को जो इससे दुख पहुंचा है क्योंकि मैं खुद बहुत दुख में हूं और मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि इसके ऊपर सख्ती से नोटिस लिया जाए और जिसने भी यह हरकत की है चाहे वह बड़े से बड़ा अफसर या व्यक्ति है या ओहदेदार है, उस पर सख्ती से नोटिस लिया जाए और लोगों की आस्था को बरकरार रखा जाए जिससे दुबारा फिर कोई लिंग बनाने की हिम्मत न कर सके। धन्यवÉÉn[R101]।